सुविचार -इंसान की असली पहचान उसके चेहरे से नहीं,
बल्कि उसके शब्दों और व्यवहार से होती है।

साप्ताहिक

डाक रजि./MP HSD/13/2021-2023/24-26 आर.एन.ए.पंजीयन संख्या-47485/86

सच की बात-सहजता के साथ

पिपरिया प्रकाश

http://www.pipariyaprakash.com E-mail-pipariyaprakash@gmail.com Mob. 9425708959

वर्ष-40 अंक -20 पिपरिया (म. प्र.) दिन -गुरुवार दिनांक-2 अप्रैल 2026 मूल्य-5/00 पृष्ठ -8

पुलिस की सतर्कता से चोरी का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार,नगदी व जेवरात बरामद

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, पिपरिया। (छगन कुशवाहा) शहर में हुई चोरी की वारदातों का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से नगदी सहित सोने-चांदी के जेवरात भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के निर्देशन में, एसडीओपी पिपरिया मोहित कुमार यादव के मार्गदर्शन तथा थाना स्टेशन रोड प्रभारी निरीक्षक आदित्य सेन के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 28-29 मार्च 2026 की दरमियानी रात गश्त के दौरान पुलिस टीम को देखकर तीन संदिग्ध युवक भागने लगे। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने चोरी की वारदातों में संलिप्तता स्वीकार कर ली।

पूछताछ में आरोपियों ने थाना स्टेशन रोड क्षेत्र में दर्ज कई चोरी के मामलों में शामिल होना कबूला। इनमें अपराध क्रमांक 393/25, 05/26, 47/26 एवं 82/26 शामिल हैं, जो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 23 हजार रुपए नगद और सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

ये हैं गिरफ्तार आरोपी – इब्राहिम उर्फ इल्लम, निवासी टावर मोहल्ला, पिपरिया, नेतराज, निवासी लिलवानी, गाडरवाड़ा, अशरफ खान, निवासी पिपरिया, भरतू उर्फ भरत, निवासी सिधी कॉलोनी, गाडरवाड़ा

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पतारसी, गिरफ्तारी और मशरूका बरामदगी में थाना स्टेशन रोड पिपरिया की टीम की भूमिका सराहनीय रही।

गुटखा-पान मसाला की कालाबाजारी से बिगड़ा बाजार, बड़े व्यापारियों की मनमानी से उपभोक्ता परेशान

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, पिपरिया। (छगन कुशवाहा) पिपरिया. शहर में गुटखा और पान मसाला की कालाबाजारी अब खुलकर सामने आने लगी है। खास बात यह है कि इस पूरे खेल में छोटे दुकानदार नहीं, बल्कि बड़े थोक व्यापारी ही मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जिससे बाजार का संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया है। प्रशासन की अनदेखी के चलते यह अवैध कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है।जानकारी के अनुसार, एमआरपी 35 रुपए वाला गुटखा खुद खुदरा दुकानदारों को ही अधिक कीमत पर दिया जा रहा है। ऐसे में दुकानदारों को मजबूरी में वही पाउच 45 से 50 रुपए तक बेचना पड़ रहा है। इसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है, जबकि गुस्सा दुकानदारों पर निकल रहा है।

<u>बिना बिल सप्लाई, मनमाने रेट तय-</u> स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि बड़े थोक विक्रेता बिना पक्के बिल के गुटखा सप्लाई कर रहे हैं। इससे न सिर्फ टैक्स की चोरी हो रही है, बल्कि वे अपनी मर्जी से कीमत तय कर रहे हैं। बाजार में कृत्रिम कमी का माहौल बनाकर दाम बढ़ाए जा रहे हैं।

<u>कंपनियों और थोक व्यापारियों की मिलीभगत के आरोप-</u> व्यापारियों का कहना है कि पहले कंपनियों ने लोगों में गुटखा की लत डाली और अब उसी का फायदा उठाकर कीमतें बढ़ाई जा रही हैं। थोक स्तर पर सप्लाई नियंत्रित कर बाजार में महंगाई का माहौल बनाया जा रहा है, जिससे बड़े व्यापारी मोटा मुनाफा कमा रहे हैं।

<u>दुकानदारों पर दोहरी मार –</u> स्थानीय दुकानदार प्रदीप चौरसिया का कहना है कि महंगे रेट पर माल मिलने से ग्राहकी प्रभावित हो रही है। ग्राहक महंगाई के लिए दुकानदारों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जबकि असली खेल थोक स्तर पर हो रहा है।

<u>प्रशासन की चुप्पी पर सवाल –</u> पूरे मामले में प्रशासन की निष्क्रियता भी सवालों के घेरे में है। खुलेआम एमआरपी से अधिक कीमत पर बिक्री और बिना बिल के सप्लाई के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है।

<u>कार्रवाई की मांग तेज-</u> स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने मांग की है कि थोक व्यापारियों की जांच कर उनके स्टॉक, बिलिंग और सप्लाई सिस्टम की सख्ती से जांच की जाए। साथ ही एमआरपी से अधिक कीमत वसूलने वालों पर सख्त कार्रवाई हो, ताकि बाजार में पारदर्शिता लौट सके और आम जनता को राहत मिल सके।

श्री राजूभैया मल्होत्रा धार्मिक यात्रा पर

पिपरिया प्रकाश संवाददाता पिपरिया। सिख धर्म के प्रमुख धार्मिक स्थल अमृतसर के स्वर्णमंदिर एवं आस-पास के धार्मिक, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक महत्व के स्थलों की धार्मिक यात्रा पर होटल अलका एवं अलका टाकीज के प्रबंध निदेशक श्री गुरदीप सिंह मल्होत्रा अपने 80 (नव्वे) साथियों के साथ पिपरिया से प्रस्थान किया। इस जत्थे में गुरूनानक देव जी में अपनी आस्था रखने वाले अनुयायी परिवार, धार्मिक आस्था वाले नागरिक शामिल है। श्री राजू भाई ने हमें बताया कि विश्व में इस समय जो युद्ध-विभीषिका चल रही है। इसकी शांति स्थापना ओर भारत में आंतरिक शांति की स्थापना इस यात्रा का उद्देश्य है। पिपरिया प्रकाश सभी की मंगलमयी यात्रा की शुभकामनाएं प्रेरित करता है।

बैंक कॉलोनी में फिर बड़ी चोरी, सूने घरों को बनाया निशाना; लाखों के जेवर-नगदी पार

तीन रघुवंशी परिवार गांव गए थे, पीछे की खिड़की से घुसे चोर; CCTV खंगाल रही पुलिस

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, पिपरिया। (छगन कुशवाहा) शहर की बैंक कॉलोनी में चोरों ने एक बार फिर पुलिस को खुली चुनौती देते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बीती रात अज्ञात बदमाशों ने बलराम रघुवंशी, प्रदीप रघुवंशी समेत एक अन्य रघुवंशी परिवार के सूने मकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपए के जेवर और नगदी पर हाथ साफ कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, तीनों परिवार किसी काम से गांव गए हुए थे, जिससे घर खाली पड़े थे। इसी का फायदा उठाकर चोर पीछे की खिड़की के रास्ते अंदर दाखिल हुए और आराम से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

सुबह पड़ोसियों को घटना की भनक लगी तो इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्टेशन रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

<u>पहले भी हो चुकी हैं वारदातें</u>

गौरतलब है कि बैंक कॉलोनी और आसपास के इलाकों में चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद अब तक किसी बड़ी सफलता का अभाव रहा है। बार-बार हो रही चोरियों से क्षेत्रवासियों में दहशत के साथ पुलिस के प्रति नाराजगी भी बढ़ती जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

सम्पादकीय

तब मुखर अब मौन क्यों ??

इस समय सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के वे बयान छाए हुए है , जिनमें वे सरकार से सवाल करते दिख रहे है। जनमानस से जुड़े हर एक मुद्दे पर मोदी जी खुलकर सवाल कर रहे है जैसें रूपए की गिरती कीमत पर , महंगाई पर , रसोई गैस के भाव पर , युवाओं की बेरोजगारी पर , आतंकवाद पर, घुसपैठ पर उन्होंने सपने दिखाएं थे कि उनके सत्ता में आते ही यह सारी समस्याएं चुटकियों में हल हो जाएंगी। उस वक्त रूपए की कीमत डालर के मुकाबले 60 थी, रसोई गैस की कीमत 400 थी , महंगाई इतनी अधिक नहीं थी फिर भी ये मुद्दे छाएं रहते थे। जबकि अब डालर के मुकाबले रूपए की कीमत 95 के उपर पहुंच गई है। रसोई गैस की कीमत लगभग एक हजार के आसपास है, बेरोजगारी चरम पर है, अमीर और गरीब के बीच की खाई का अंतर बहुत अधिक है । बावजूद इसके हमारी वित्त मंत्री बेखौफ होकर सदन में कहती है कि हमारा रूपया ठीक चल रहा है जबकि यही निर्मला सीतारमण कांग्रेस के शासन के वक्त रूपए की गिरती कीमत पर चिंता जाहिर करती थी, तो अब क्या हो गया ???? अब हालात बद से बदतर हो गए है हर समस्या के लिए कांग्रेस और पंडित नेहरू को कटघरे में खड़ा करने वाली यह सरकार आखिर कब अपनी जिम्मेदारी समझेगी। जब से इनका राज है वास्तविक मुद्दों पर मीडिया मौन है, प्रधानमंत्री मौन है । बिना वजह की बाते धार्मिक वैमनस्यता फैलाने में यह सरकार माहिर है । जब तक इनकी सरकार सत्ता में नहीं आई थी इस तरह हर संस्थान को अपने कब्जे में कभी नहीं लिया गया ।

मीडिया भी सरकार से सवाल करता था और प्रधानमंत्री की खुली प्रेस वार्ताएं हुआ करती थी। अब तो मीडिया सूचना तंत्र नहीं सरकार का चाटुकार अधिक लगता है क्योंकि अब कहीं भी सरकार से सवाल पूछे ही नहीं जाते तमाम समस्याओं के बावजूद सबकुछ ठीक है ऐसा दिवास्वपन दिखाया जाता है जैसे सबकुछ सामान्य है । अब तो समस्या दिखने पर मीडिया अलग ही एंगल पकड लेता है जैसे फिलहाल रसोई गैस की किल्लत है तो मीडिया में चूल्हें पर भोजन पकाने के स्वास्थ्य वर्धक लाभ दिखाएं जाने लगते है। मतलब सरकार से सवाल नहीं किए जाते मीडिया स्वयं समस्या को किस तरह सकारात्मक खबर में बदला जाएं इसका हल निकाल लेता है।

फसल के भाव के लिए किसान आज भी जगदोजहत कर रहा है। लेकिन हमारे देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान कह रहे है कि किसान की आय दोगुनी हुई है , किसी – किसी की तीन गुनी , चार गुन भी हुई है। अरे कितनी बड़ी – बड़ी बातें सदन में बेखौफ कह रहें है, जो हुआ नहीं वह बताया जा रहा है। अगर किसान इतना ही खुश होता तो फिर सरकार के खिलाफ एकजुट क्यों होता?? क्यों ट्रेड डील के खिलाफ आवाज उठाता, लेकिन सत्ता पर आसीन नेताओं को यह नहीं दिखता है। उन्हें तो वास्तविक हालात क्या है इससे फर्क पड़ता ही नही है सरकार की छवि जिससे सकारात्मक बनें वहीं कहना होता है। नेताओं का बदलता व्यवहार हमें साफ बताता है कि नेताओं को सिर्फ कुर्सी से प्यार है। समस्याओं को हल करने में उनकी कभी रूचि रहीं ही नहीं है।

अमृतकाल में भारतीय रेलवे

पिपरिया । 1893 मे महात्मा गांधी को अंग्रेजों ने ट्रेन से उतार दिया था, क्योंकि वो भारतीय थे। आज भारतीय खुद अपनी ही ट्रेन में जगह के लिए लटक रहे है, क्योंकि सिस्टम उसे "कमाई का जरिया" मानता है, इंसान नहीं। इंसानियत नदारत है रेल्वे में !

1947 में जब देश आज़ाद हुआ, तब रेलवे का नेटवर्क करीब 53–55 हजार किलोमीटर था। ये वही सिस्टम था जो अंग्रेज अपने व्यापार के लिए बना गए थे, जनता के लिए नहीं। आज़ादी के बाद कांग्रेस सरकारों ने इसे सिर्फ बढ़ाया नहीं, बल्कि "जनता का रेलवे" बनाया।

(चित्र प्रतीकात्मक है)

1950 से 2014 तक नेटवर्क 65 हजार से बढ़कर लगभग 67–68 हजार किलोमीटर के रूट तक पहुँचा, और कुल ट्रैक लंबाई 1.1 लाख किलोमीटर के आसपास हुई। ये सिर्फ लाइन बिछाने का काम नहीं था, ये कनेक्टिविटी मजबूत करना थी, सस्ती यात्रा करनी थी और देश को जोड़ने का काम करना था।

1952 मे लाल बहादुर शास्त्री रेल मंत्री रहे, उसके बाद कई दशकों तक कांग्रेस ने रेलवे को "पब्लिक सर्विस" की तरह चलाया। इंदिरा गांधी के समय बड़े पैमाने पर ग्रामीण कनेक्टिविटी बढ़ी, मनमोहन सिंह के दौर में फ्रेट कॉरिडोर, इलेक्ट्रिफिकेशन और हाई स्पीड अपग्रेड की नींव रखी गई।

2000 से 2014 के बीच हर साल औसतन 1500–2000 किलोमीटर ट्रैक जोड़ा गया। जनरल कोच बढ़ाए गए, स्लीपर क्लास की टिकट सस्ती की गई क्योंकि गरीब आदमी खड़ा नहीं, बैठकर सफर करे ये सोच थी।

आज रेलवे "सर्विस" से ज्यादा "शोपीस" बन चुका है। वंदे भारत चमक रही है, स्टेशन एयरपोर्ट जैसे दिख रहे हैं, लेकिन जनरल कोचों स्लीपर की संख्या धीरे–धीरे कम हो रही है। लोग आज भी कचरे की तरह ट्रेन की बोगी में ठूस दिए जाते हैं

2014 के बाद कई ट्रेनों में जनरल डिब्बों स्लीपर कोचों को घटाकर एसी कोच बढ़ाए गए, क्योंकि रेवेन्यू वहीं से आता है। मतलब साफ है, पैसा वाला अंदर, गरीब बाहर लटककर सफर करे। गरीब सीटों के नीचे चादर के झूला में लटककर चलने को मजबूर रहता है । संडास में सफर करता है । ये हमारे रेल्वे अधिकारीयों, नेताओं विधायकों, सांसदों को नहीं दिखता ?

अगर सिस्टम ठीक होता तो ये आदमी दरवाजे से बंधकर क्यों खड़ा होता? ये शौक से नहीं कर रहा, मजबूरी है। त्योहारों में टिकट मिलती नहीं, स्पेशल ट्रेनें कम, और जो हैं उनमें भी भीड़ ऐसे ठूंसी जाती है जैसे इंसान नहीं माल ढोया जा रहा हो। टिकिट भी काफी मंहगी स्टापेज कम गरीबों के लिए नहीं कस्बों, तहसीलों में रेल ट्रेन नहीं रोकना चाहती , महानगरों के लिए ही है ट्रेनें ?

चुनाव आते ही वही सरकार अचानक "गरीब हितैषी" बन जाती है। कहीं किराया माफ किया जाता है, कहीं खाते में पैसे ट्रांसफर किए जाते हैं, कहीं फ्री टिकट का जुमला फेंका जाता है। मतलब पांच साल तक सिस्टम बिगाड़ो, फिर चुनाव में मरहम लगा दो। रियायते वाली टिकिटों पर पाबंदी लगा देते हैं वृद्ध , महिला, पत्रकारों को राहत नहीं ?

कांग्रेस ने रेलवे को गांव गांव तक जोड़ा, टिकट सस्ता रखा, आम आदमी के लिए सिस्टम खड़ा किया। बीजेपी उसे ब्रांड बना रही है, लेकिन उस ब्रांड में गरीब के लिए जगह सिकुड़ती जा रही है।

फर्क यही है एक ने रेलवे को देश की जरूरत समझा, दूसरे ने उसे प्रोजेक्ट बना दिया। रेलवे का अलग से बजट आता था उसे भी खत्म कर दिया

अल्ट्राटेक सीमेंट अल्ट्राटेक सीमेंट अल्ट्राटेक सीमेंट
राज ट्रेडर्स
कैलाश प्रेस के बाजू में सांडिया रोड, पिपरिया
मो. 9806969697,
$ 9893692487,
9644200339
होम डिलेवरी वाहन सुविधा कम दर पर उपलब्ध
लोहा उत्तम क्वालिटी टेस्टेड
डॉ. फिक्सइट आपके घर का डाक्टर सम्पूर्ण वाटर प्रूफिंग के लिए
ग्राहक का संतोष ही हमारी सफलता है ।

पानी की किल्लत से छुटकारा.....
अपने मकान, खेत, (दुकान में नलकूप या जेटपंप बोरिंग हेतु संपर्क करें ।
पूर्ण गारंटी एवं उचित दाम
4" से 24" ट्यूवलेल बोरिंग, पाईप, सवमर्सीबल पंप सेट हेतु विश्वनीय प्रतिष्ठान

महावीर पाइप्स
गीतांजली शापिंग काम्पलेक्स, शोभापुर रोड, पिपरिया
मो. 9425040827, 9806593136

तेलंगाना विधानसभा में पैरेंटल सपोर्ट बिल पास, मां–बाप को बेसहारा छोड़ने पर कटेगी सैलरी

देश में पहली बार ऐसा कानून बना है जिसमें सरकारी के साथ ही प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों, विधायकों, सांसदों और सरपंचों तक को जवाबदेह बनाया गया है।

हैदराबाद। तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य विधानसभा ने रविवार को 'पैरेंटल सपोर्ट बिल, 2026' सर्वसम्मति से पास कर दिया। इसके तहत, यदि कोई कर्मचारी अपने माता–पिता की देखभाल नहीं करता, तो उसकी कुल सैलरी में से 15 फीसदी या 10,000 रुपए (जो भी कम हो) की कटौती की जाएगी।

देश में पहली बार ऐसा कानून बना है जिसमें सरकारी के साथ ही प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों, विधायकों, सांसदों और सरपंचों तक को जवाबदेह बनाया गया है। खास बात यह है कि माता–पिता को इसके लिए कोर्ट नहीं जाना होगा, वे सीधे जिला कलेक्टर के पास आवेदन कर सकेंगे। जांच में शिकायत सही मिलने पर कलेक्टर सीधे कंपनी या विभाग को सैलरी काटकर माता–पिता के खाते में भेजने का आदेश देंगे।

विधेयक पेश करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसे जनप्रतिनिधि को जानता हूं जिसके पिता की कैंसर से मौत हो गई, लेकिन बेटे ने सुध तक नहीं ली। जब माता–पिता की आंखों में आंसू होते हैं, तो वह समाज के पतन का संकेत है। समाज को ऐसे लोगों का सामाजिक बहिष्कार करना चाहिए जो सक्षम होकर भी अपनों को छोड़ देते हैं।

बता दें कि केरल और असम में भी इस तरह के कानून हैं। केरल में 25 फीसदी तक वेतन में कटौती का प्रावधान है। हालांकि, मुख्य रूप से उन लोगों पर लागू होता है जिन्हें अनुकंपा नियुक्ति मिली है। जबकि असम में सरकारी कर्मचारियों के वेतन से 10 से 15 फीसदी कटौती का नियम है। तेलंगाना पहला राज्य है जहां शासकीय और प्राइवेट दोनों सेक्टर के लोगों पर यह नियम लागू होगा। –हम समवेत

'नरसिंहपुर पुलिस की बड़ी सफलता : महिला से मंगलसूत्र लूटने वाला आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार'

- ☐ नरसिंहपुर पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही से घटना का चंद घंटों में खुलासा।
- ☐ अज्ञात लुटेरों को तलाश कर चंद घंटों में किया गया गिरफ्तार।
- ☐ गिरफ्तार दोनों आरोपियों से एक मोटरसाइकिल, एक चाकू एवं लूटा गया मंगलसूत्र जप्त किया गया।

दिनांक 29.03.2026 को इंदौर निवासी एक महिला द्वारा थाना करेली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह बस से महाराजपुर (जिला सागर) से अपने मायके निरंजन वार्ड, करेली आ रही थी। करेली में बस से उतरने के बाद शाम करीब 07:00 बजे, सीएम राइज स्कूल करेली के पास दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों ने चाकू दिखाकर उसे डराया तथा उसके गले में पहना लगभग 12 ग्राम वजनी सोने का मंगलसूत्र, जिसकी कीमत करीब 1,25,000/– है, छीनकर मौके से फरार हो गए।

'अज्ञात लूटेरों की तलाश हेतु विशेष टीम का गठन–' करेली क्षेत्र में हुई लूट की घटना को गंभीरता से लेते हुए अज्ञात आरोपियों की पतासाजी हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी नरसिंहपुर के नेतृत्व में थाना करेली पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम को पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपियों की शीघ्र पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। 'अज्ञात लुटेरों को तलाश कर चंद घंटों में किया गया गिरफ्तार–' थाना करेली पुलिस की विशेष टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर लूट की घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपियों की पहचान की गई। तत्पश्चात सघन तलाशी अभियान चलाकर दो आरोपियों को घटना के चंद घंटों के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

'गिरफ्तार आरोपी –'आरोपी 1– मोहम्मद कासिम उर्फ कुन्नू निवासी आजाद वार्ड, नरसिंहपुर। आरोपी 2– ब्रजेश उर्फ कूक्कू बंजारा निवासी सुभाष वार्ड, नरसिंहपुर।

जप्ती – आरोपियों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक चाकू व 12 ग्राम सोने का मंगलसूत्र जप्त किया गया।

वैधानिक कार्यवाही – उक्त दोनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 309 (4), 3 (5) बी.एन.एस के तहत अपराध पंजीवद्ध।

'कार्यवाही में सराहनीय भूमिका –' उक्त गिरफ्तारी कार्यवाही में थाना प्रभारी करेली निरीक्षक रत्नाकर हिंगवे, उनि अनिल अजमेरिया, अनिल कुमार सिंह, विजय धुर्वे, प्र.आर. कुलदीप सोमकुवंर, आर. राजेश बागरी, आरक्षक कपिल राजपूत, पंकज राजपूत, जितेन्द्र ठाकुर, प्रहलाद माधवे, रोहित चमपुरिया, महेन्द्र ठाकुर, ईशनलाल वाडिवा की सराहनीय भूमिका रही।

नरवाई जलाने की शिकायत पर प्रशासन ने दिखाई मुस्तैदी मौके पर पहुंचकर किसानों को दी समझाइश

जनसंपर्क नर्मदापुरम । बैराखेड़ी एवं सांवलखेड़ा में किसानों द्वारा नरवाई जलाए जाने की शिकायत को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। प्रशासनिक टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार उप संचालक कृषि श्री रविकांत सिंह, सहायक संचालक कृषि श्री राजीव यादव, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सुश्री जयश्री देशमुख एवं कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री नेहा नागोले ने गांव पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद किया।

अधिकारियों ने किसानों को स्पष्ट रूप से नरवाई नहीं जलाने की समझाइश देते हुए बताया कि इससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है तथा गौशालाओं के लिए आवश्यक भूसा भी नष्ट हो जाता है। उन्होंने किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के वैकल्पिक तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान नंदनी गौशाला की टीम के साथ भी चर्चा की गई। आसपास के उन किसानों से संवाद कर उन्हें समझाया गया, जो गौशाला के लिए भूसा बनाने में बाधा उत्पन्न कर रहे थे। अधिकारियों की समझाइश के बाद किसानों ने गौशाला हेतु भूसा निर्माण में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की।

ए.एस. खुराना मो. 7747022369
बी.एस.सी./डी.ओ.आर. 8871443275
मनु आई केयर एण्ड ऑप्टीकल्स
हमारे यहां नजर व धूप के चश्में नेत्र परिक्षण करके बनाये जाते हैं ।
एच.डी.एफ. सी. बैंक के सामने, पिपरिया (म.प्र.)

पिपरिया डेन्टल क्लीनिक
(पं.नाथूराम गंगेले मार्ग) मंगलवारा पोस्ट आफिस के सामने पिपरिया
सुपर सिलेक्शन
मेन रोड थाने के सामने पिपरिया

बिरला का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन
फोन- 222664, 224664
अधिकृत विक्रेता My Cem Cement
श्री गुरुनानक ट्रेडर्स, पिपरिया

स्वस्थ आहार, स्वाद मजेदार...
रघुजी नमकीन
एक विश्वास
रतलामी, उज्जैनी, खट्टा मीठा, फलारी चिप्स इत्यादि नमकीन सभी होटल व किराना दुकानों पर उपलब्ध कृष्णा इन्दौर सेव भंडार
शोभापुर रोड, पिपरिया Ph.224241,
-प्रो. संतोष साहू Mob- 8839911938 संदीप साहू Mob- 9425310471

–राजपाल यादव द्वारा

बनखेड़ी समाचार

सच्ची प्रार्थना

-संत राजिन्दरसिंह जी महाराज

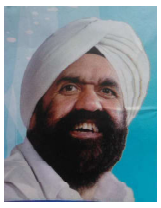

प्रार्थना परमात्मा से बात करने का सबसे प्रभावशाली तरीका है। हम सब प्रार्थना करते हैं। कोई सुबह उठकर प्रार्थना करता है, कोई रात को सोने से पहले प्रार्थना करता है। जब भी हम प्रार्थना करते हैं तो उसमें हम कुछ न कुछ दुनिया की चीज प्रभु से मांग रहे होते हैं।

ज्यादातर तो हम इस किस्म की प्रार्थना करते हैं कि हे प्रभु! मुझे ये शारीरिक तकलीफ हुई है, यह दूर हो जाए। हे प्रभु! मेरी माता जी तकलीफ हो गई है, उनकी तकलीफ दूर हो जाए। हे प्रभु! मेरा बिजनेस खराब हो रहा है, ये बेहतर हो जाए। हम प्रार्थना करते हैं, नया घर या नई कार मिले, दुनिया की चीजे मिलें तथा हमारा शरीर तंदुरुस्त रहे।

हमें प्रार्थना उन तीजों के लिए करते हैं, जो हम सोचते हैं कि हमारी जिन्दगी में बहुत जरूरी हैं। हमें लगता है कि हम जो माँग रहे हैं वह हमें तमाम उम्र मदद करेगा, लेकिन हो सकता है वह हमारे जीवन भर के लिए सही न हो।

प्रार्थना करने का सही तरीका है कि प्रभु जो चाहें, वही हमारे जीवन में हो। प्रभु तो हमारे साथ क्या हुआ है, वो जानते हैं, क्या हो रहा है, वो जानते हैं और क्या होगा, वो भी जानते हैं।

प्रभु जानते हैं हमारे लिए क्या बेहतर है। हम नहीं जानते हमें क्या अच्छा है। हम अपनी सीमित बुद्धि और नजरिये के अनुसार जो हमारे लिए लगता है, वह माँगते हैं लेकिन अगर हम सब कुछ प्रभु के ऊपर छोड़ दें कि वे हमें वह दें जो हमारे लिए बेहतर हो, तो यह हमारी सच्ची प्रार्थना होगी।

भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर आयोजित शोभायात्रा का संत भूरा भगत कतिया समाज निस्वार्थ सेवा समिति ने पुष्प बरसा एवं शीतल पेय पदार्थ से किया भव्य स्वागत

पिपिपरिया प्रकाश संवाददाता, बनखेड़ी। पिपरिया – अयोध्या के राजा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्म महोत्सव रामनवमी के अवसर पर श्री राम उत्सव समिति एवं समस्त नगर वासियों के द्वारा विशाल शोभायात्रा निकाली गई शोभा यात्रा की प्रथम पंक्ति में

भगवान श्री राम की पालकी दूसरी पंक्ति में महाराष्ट्र के प्रसिद्ध ढोल नगाड़ा मंडल तृतीय पंक्ति में अश्व पर सवार सनातन के ध्वजवाहक तथा चौथी पंक्ति में श्री राम दरबार की झांकी सजाई गई तथा शोभा यात्रा की आखिरी पंक्ति में शहर के प्रसिद्ध पारंपरिक अखाड़ा मंडल का प्रदर्शन रहा। स्थानीय मंगलवारा चौराहे पर दुर्गा मंदिर ट्रस्ट समिति एवं पुजारियों द्वारा स्वागत सत्कार एवं पूजन अर्चन किया गया।

शोभायात्रा पचमढ़ी रोड नाके से प्रारंभ होकर पुराना गल्ला मंडी स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर पर पूजा अर्चन एवं प्रसादी के वितरण के साथ समाप्त हुई शोभा यात्रा का जगह–जगह शहर के धर्म प्रेमियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा पुष्प वर्षा एवं शीतल पेय पदार्थ से भव्य स्वागत किया गया पचमढ़ी रोड स्थित तहसील तिराहा पर संत भूरा भगत कतिया समाज निस्वार्थ सेवा समिति पिपरिया के द्वारा क्षेत्रीय विधायक श्री ठाकुरदास नागवंशी एवं जनपद पंचायत की अध्यक्ष सुश्री संध्या सिंगारे के नेतृत्व में शोभायात्रा का सामाजिक जनों की गरिमा मय उपस्थिति में भव्यता के साथ शोभायात्रा में शामिल नगर वासियों का पुष्प बरसा एवं शीतल पेय पदार्थ पिलाकर स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में भगवान श्री राम की पालकी को क्षेत्रीय विधायक ठाकुर दास नागवंशी राजा पलिया सहित धर्म स्वावलंबियों सेवाएं दी जिनका समिति सदस्यों ने पुष्पमाला एवं तिलक लगाकर स्वागत किया तथा शोभा यात्रा में चल रहे समस्त श्रद्धालुओं पर संत भूरा भगत आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों व कार्यकर्ताओं ने जिनमें सर्व श्री राकेश पगारे, मनोज नगौत्रा, राजेश कुमार ग्यारसे, रवि शंकर अमरवंशी, गोपाल कृष्णा सूर्यवंशी, विपिन बान, पंकज बान, मुकेश खुरवंशी, देवकिशन खुरवंशी, कमलेश आरसे, दीपक पठारिया, बलराम जावरिया,नेतराम बाकलवार, राजेश पगारे, योगेश नागवंशी, ऋषि कुमार भंन्नारिया, गुड्डू सिंगारे,राजू बेलवंशी, दुर्गा प्रसाद बान, अजय सुखद, विनोद नायक,विनोद नगोत्रा,कमलेश नागवंशी, दिनेश ढाकारिया मातृशक्ति शक्तियों में श्रीमती ममता नागवंशी ममता नगोत्रा, माया जावरिया, श्रीमती ज्योति ने भी शोभा यात्रा में चल रहे धर्म स्वावलंबियों पर पुष्प वर्षा की।

खैरी किशोर में हुआ संस्कार केन्द्र का शुभारंभ। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए होगा समर्पित केंद्र।

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, बनखेड़ी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् की नवांकुर संस्था विलेजलाइफ वेलफेयर सोसायटी बनखेडी ने ग्राम खैरी किशोर में संस्कार केंद्र का शुभारंभ प्रधानाचार्य अर्जुन सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता, चांदौन मंडल के भाजपा उपाध्यक्ष जयनारायण कुशवाहा के प्रमुख आतिथ्य में हुआ। विलेजलाइफ वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष भागीरथ कुशवाहा ने बताया कि भारतीय संस्कारों की शिक्षा के लिए समर्पित निरू शुल्क शिक्षा संस्कार केन्द्र पर प्रतिदिन सरस्वती वंदना, सुभाषित, देशभक्ति गीत, खेलकूद आदि गतिविधियां आयोजित की जाएगी। संस्कार केन्द्र से संपूर्ण ग्राम को जोड़ा जाएगा। ग्राम विकास, स्वाबलंबन,के लिए प्रयास किए जाएंगे। सामाजिक सरोकार के विभिन्न विषयों को लेकर संस्कार केन्द्र से गतिविधियां आयोजित की जाएगी।इस अवसर पर संस्कार केन्द्र की दीदी, विद्यार्थी एम एस डब्ल्यू के छात्र उपस्थित रहें।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत, होटल–चाय दुकानों का काम ठप होने की कगार पर

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, पिपरिया। शहर में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई अभी तक सामान्य नहीं हो पाई है। इसका सीधा असर होटल और चाय गुमठियों के व्यवसाय पर पड़ रहा है। गैस नहीं मिलने से व्यापारी मजबूरी में डीजल, कोयला और लकड़ी की भट्टियों का सहारा ले रहे हैं, जिससे खर्च बढ़ गया है और काम प्रभावित हो रहा है।

होटल संचालक ललित साहू, सूरज वर्मा, और हिम्मू कहार ने बताया कि कई दिनों से कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। ऐसे में होटलों में डीजल से चलने वाले स्टोव और चाय दुकानों पर कोयला–लकड़ी की भट्टियों का उपयोग करना पड़ रहा है।

व्यापारियों का कहना है कि महंगे वैकल्पिक ईंधन के कारण लागत बढ़ गई है, जबकि आमदनी पर असर पड़ रहा है। इसके बावजूद परिवार के भरण–पोषण के लिए दुकानें बंद करना संभव नहीं है, इसलिए जैसे–तैसे काम चलाया जा रहा है।

व्यापारियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पर्याप्त मात्रा में कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि व्यवसाय सामान्य हो सके।

(छगन कुशवाहा पिपरिया)

विश्वसनीयता ।। श्री महावीराय नमः ।। उचित दाम

श्री विजय जेम्स & ज्वेलर्स

(सोने, चांदी, हीरे के आभूषणों एवं राशि रत्नों के विक्रेता)

हमारे यहां समस्त असली राशि रत्न, उपरत्न, स्फटिक श्रीयंत्र शिवलिंग, माला, नवरत्न अंगूठी, ब्रेसलेट, कड़े, पारदेश्वर गोल्डप्लेटेड यंत्र उचित दाम पर उपलब्ध है

असली प्राकृतिक, लक्ष्मी प्रदाता, सुख समृद्धिदायक, दक्षिणावर्ती शंख एवं एक मुखी रूद्राक्ष उपलब्ध है।

सांडिया रोड, पालीवाल गैस एजेंसी के पास, पिपरिया

प्रो. सचिन जैन मो. 9425475891, 9425475431

मुख्य मार्ग पर दो–दो गतिरोधक एक साथ लगने से वाहन चालक हो रहे परेशान, नगर पालिका प्रशासन नहीं कर पा रहा समाधान

आए दिन रोज हो रही है उक्त ब्रेकर पर चलने से दुर्घटनाएं, बुजुर्ग एवं महिलाओ को हो रही बहुत परेशानी

न, पा उपाध्यक्ष अनीता नेमा द्वारा परिषद मीटिंग में उक्त विषय को रखने के बावजूद भी नहीं हो रहा कोई समस्या का समाधान

करेली। शहर के प्रमुख मार्ग पर एक साथ बनाए गए दो–दो ब्रेकर (गतिरोधक) इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन ब्रेकरों की वजह से आए दिन लोग गिरकर घायल हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद नगर पालिका परिषद प्रशासन इस समस्या के समाधान की ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रहा है।बताया जा रहा है कि एक ही स्थान पर दो गतिरोधक होने से वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। कई बार लोग मोबाइल पर बात करते हुए या सामान्य गति से वाहन चलाते हुए अचानक ब्रेकर आने से संतुलन खो बैठते हैं और गिर जाते हैं। कई बार महिलाओं और बच्चों के साथ चल रहे लोग भी बाल–बाल बचते देखे गए हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार हाथ ठेला चलाने वाले, सामान ढोने वाले मजदूर तथा छोटे व्यापारियों को इन ब्रेकरों से सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारी सामान ले जाने वाले ठेले और तीन पहिया लोडिंग वाहन इन ब्रेकरों से आसानी से नहीं निकल पाते, जिससे सामान गिरने या पलटने का डर बना रहता है। इसके अलावा वाहनों के शॉकअप और अन्य पार्ट्स पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।नागरिकों का कहना है कि बड़े–बड़े शहरों में भारी ट्रैफिक और अधिक परिवहन के बावजूद इस तरह एक साथ दो–दो ब्रेकर कम ही देखने को मिलते हैं, लेकिन यहां बिना उचित योजना के बनाए गए ये गतिरोधक लोगों के लिए मुसीबत बन गए हैं। लोगों का यह भी कहना है कि यदि कभी अधिकारी स्वयं आम नागरिक की तरह मोटरसाइकिल या अन्य वाहन से इस मार्ग से गुजरें, तब उन्हें इस समस्या का वास्तविक अहसास होगा।इस संबंध में नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भी जानकारी होने की बात सामने आई है, लेकिन अभी तक समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले नगर पालिका उपाध्यक्ष अनीता नेमा द्वारा भी इस समस्या को नगर पालिका परिषद की बैठक में उठाया गया था, किंतु इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे यह विषय शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। शहरवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से निवेदन किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इन दोहरे ब्रेकरों में से एक को हटाकर समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाए, ताकि आए दिन हो रही दुर्घटनाओं पर रोक लग सके और आम नागरिकों को राहत मिल सके।स्थानीय लोगों का कहना है कि जनता अपने प्रतिनिधियों को सेवा और सुविधा के लिए चुनती है, इसलिए प्रशासन से अपेक्षा है कि वह जनता की समस्याओं को समझते हुए जल्द से जल्द इस ओर ध्यान दे।

जाहिर-सूचना

सर्वसाधारण को इस सूचना के जरिये सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकार श्रीमती मीनू जैन आयु 40 वर्ष पत्नि अर्पित जैन निवासी ग्राम शोभापुर तहसील सोहागपुर जिला नर्मदापुरम (म.प्र.) के द्वारा श्री मनोहरलाल शर्मा आत्मज गनेशराम निवासी कस्तूरबा वार्ड पिपरिया तहसील पिपरिया, जिला नर्मदापुरम से उनके कब्जे, स्वत्वधारी एवं भूमि स्वामी कस्तूरबा वार्ड पिपरिया तहसील पिपरिया जिला नर्मदापुरम में स्थित भूमि ख.नं. 155 में से प्लाट नं. 50 में से रकबा 2006 वर्गफुट जो कि राजस्व खसरा में परिवर्तित भूमि के रूप में आवासीय प्रयोजन हेतु दर्ज है जिसकी चर्तुसीमा उत्तर में महेन्द्र जैन का मकान एवं नाली, दक्षिण में नगरपालिका का रास्ता पूर्व में अशोक शर्मा का मकान और पश्चिम में अमित शर्मा जितेन्द्र साहू का मकान है को -मेरी पक्षकार को विक्रय करने का करार 35,00,000/- रुपये में दिनांक 23-05-2025 को किया एवं 1,11,000/-बैंक ऑफ इण्डिया शाखा शोभापुर के चैक द्वारा 20-05-2025 को प्राप्त किया तथा शेष राशि 33,89,000/- वक्त रजिस्ट्री के लेना स्वीकार करते हुए 20-5-2025 से 20-04-2026 तक रजिस्ट्री कराने का करार करते हुए एक लिखित अनुबंध उपपंजियक कार्यालय, पिपरिया में दिनांक 23-05-2025 को करते हुए रुबरू गवाहों मनोज जैन आत्मज सीताराम और अर्पित जैन आत्मज अशोक जैन ने अपने-अपने हस्ताक्षर किये है जो लिखित तहरीर मेरे पक्षकार के पास सुरक्षित है । हर आम और खास को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त श्री मनोहर लाल शर्मा आत्मज गनेश राम की सम्पत्ति को किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय करने, अनुबंध करने, इस पर ऋण देने और अनुबंध का पालन न करते हुए खुर्द-बुर्द करना चाह रहे हैं जिसे रोके जाने हेतु मेरी पक्षकार के द्वारा यह सार्वजनिक सूचना जारी की जाती है कि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति सम्व्यवहार न करें अन्यथा उसे इस सम्पत्ति में कोई भी स्वत्व हित अधिकार और कब्जा प्राप्त नहीं होगा सर्वसाधारण सूचित हो ।

अधिवक्ता चन्द्रमोहन गुप्ता
सोहागपुर

स्थान-सोहागपुर मीनु जैन
दिनांक 16-3-2026 हस्ताक्षर

DOLLY ICE CREAM PARLOUR & BAKERY SHOP

Vadilal

कमलेश प्रिंटिंग प्रेस सांडिया रोड, पिपरिया
प्रो. कमलेश मंडलोई

न्यू विनीत ट्रांसपोर्ट

शोभापुर रोड, पिपरिया
जिला-नर्मदापुरम(म.प्र.)
Mob- 9300734595, 9827576290, Ph.220409
विशेष- छोटी गाड़ी सम्पूर्ण भारत में भेजी जाती है।

करें नवशिशु का स्वागत, प्यार दुलार।
न्यू ललित किड्स कॉर्नर में श्रीमान् पधारें।
नवशिशु केस्वागत केलिए- गद्दे तकिये सेट, मच्छरदानी, बाकर बाबागाड़ी, झूला, खेल खिलौने आदि की विस्तृत श्रृंखला।
साथ ही आप सभी के लिए अंडर गारमेंट्स की संपूर्ण रेंज।
न्यू ललित होजरी एण्ड किड्स कार्नर
3-4 ललित आर्केड, मीठी गली , पिपरिया

विकी हार्डवेयर स्टोर्स
फोन कार्यालय 224664,
निवास- 222664मो. 9893200814
सिंधी गुरू मंदिर के सामने पचमढ़ी रोड, पिपरिया
बिरला व्हाइट सीमेंट एवं वाल केयर पुट्टी
उच्चकोटि के लोहा व सीमेंट एवं भवन सामग्री के थोक व फुटकर विक्रेता

Prime Motivation Institute
एक दशक से नगर की प्रतिभाओं को निखारने में सफल संस्थान, नौकरी प्राइवेट हो या सरकारी हो, व्यापार छोटा हो या बड़ा हो, आप छात्र-छात्रा हो या व्यवसायी हो, आप युवती हो या गृहणी हो, आप सभी के लिए सफल भविष्य की राह चुनने एवं सफलतापूर्वक अपने मंजिल तक पहुचने के लिए आपकी आवश्यकतानुसार सभी कोर्सेस एक ही कैंपस में उपलब्ध कराने वाला एक मात्र ट्रेनिंग & प्लेसमेंट सेण्टर.....
प्रवेश प्रारंभ
Spoken English & Advance Effective English
Tally ERP.9 With GST | M.S. Office | CPCT
Bank | Railway | SSC | MP Police | Samvida
प्रवेश प्रारंभ
उपलब्ध सुविधाए
1. CCTV कैमरे से निगरानी
2. A.C. Classrooms & LAB
3. लाइब्रेरी
4. Printed Notes
5. Digital Classrooms
6. शिक्षित एवं अनुभवी फैकल्टी
7. वीकली टेस्ट
8. Job Counselling
9. Consultancy
Add – Above Malwa Dairy, Cement Road Pipariya
Contact – 9893623179, 9179406595, 9329555595

अद्वितीय विशाल सोने एवं चांदी के आभूषणों के शोरुम पर हम आपका हार्दिक अभिनंदन करते है।
विजय ज्वेलर्स
मेन रोड, पिपरिया

जिला–नर्मदापुरम (म.प्र.) फोन–मो. 9425475530

चन्द्रकान्त अग्रवाल
(कर सलाहकार)
उपलब्ध सेवाएं -
(1) इन्कम टेक्स, जी.एस.टी, टी.डी.एस., प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं अन्य सभी टेक्शेशन से संबंधित कार्य
(2) **लाईफ एंशुरेन्स**-पी.एन.पी. मेटलाइफ इन्शुरेंस
(3) **हेल्थ एंशुरेन्स**- एचडीएफसी हैल्थ एन्शुरेंस
सम्पर्क करें – दुकान नं. 2 अर्बन गेलेक्सी, जीन कम्पाउन्ड, गोपाल ट्रांसपोर्ट के पीछे, ऊमर वाले दादा मंदिर के सामने वाली रोड, पिपरिया मो. 9893803544

।। ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

अखण्ड ज्योति

ऋषि चिंतन के सान्निध्य में

कमाई में बहुतों का हिस्सा

आदमी जो कुछ भी कमाता है , वह बहुतों के भाग्य का होता है , उसका अपना भाग्य तो उसमें उतना ही है , जितना वह खा, पहन लेता है । शेष तो जिन-जिन का है , उनके पास पहुंच जाता है ।

कमाने वाले की स्थिति एक कारिंदा से अधिक नहीं है । जैसे कारिंद गांव के किसानों से लगान वसूल करके लाता है । और मालिकों को दे देता है और खुद अपनी गुजर लायक वेतन मालिकों से पाता है , वैसे ही कमाने वाला दूसरों के भाग्य का रुपया लाता है और समझता है मैं मालदार बन गया । कितनी बड़ी भूल है । दूसरों की अमानत पर इतना गर्व । जब सब अपना-अपना भाग ले लेते हैं, तो स्वयं खाली रह जाते हैं और फिर कमाई की धुन सवार होती है । इसी कमाने और बाँटने में उम्र समाप्त हो जाती है और पल्ले कुछ भी नहीं पड़ता ।

जीवन में जो धन बाँटने से बचा रहता है, उसे वैसे ही पछताते हुए छोड़ कर जाना पड़ता है , जिससे मरते समय भी बड़ा कष्ट उठाना पड़ताहै । जोड़े हुए धन को तो वे लोग, जिनका वह भाग्य है , आपस में बाँट ही लेंगे, परन्तु जिसने कमाने में पाप इकट्ठे किए उसे क्या लाभ हुआ ? इसका जबाव देने में उसे हिचकियाँ आने लगेंगी और थोड़ी ही देर में प्राण-पखेरू अपने कर्मों का बुरा परिणाम भोगने नर्क की ओर चल देगा ।

-अखण्ड ज्योति -जून 1957 पृष्ठ-32

तेंदुए को सकुशल रेस्क्यू किया

पिपरिया प्रकाश संवाददाता, करेली । बुधवार को वन संरक्षक सुश्री संध्या के निर्देशन में वनमंडल अधिकारी नरसिंहपुर कल्पना तिवारी के मार्गदर्शन में उपवन मंडल अधिकारी गाडरवारा सुनील वर्मा द्वारा गठित टीम के द्वारा वन परिक्षेत्र करेली बीट दिलहरी में वन क्षेत्र से ग्राम में भटके हुए तेंदुए का रात्रि 3.00 बजे सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उपचार हेतु जबलपुर भेजा गया कार्रवाई के दौरान मुख्य रूप से उपवन मंडल अधिकारी नरसिंहपुर उपवन मंडल अधिकारी गाडरवारा परिक्षेत्र अधिकारी करेली आर के कनोजिया, मनीष तिवारी घनश्याम श्रीवास उमेश ठाकुर पुष्पराज कौरव , निलेश रजक राकेश परिहार अभिनंदन ग्रेवाल नासिर खान प्रमोद राजपूत लखन जाटव आदित्य शर्मा सतीश शर्मा रामदास मरकाम रामेश्वर किरार वाहन चालक योगेश वर्मा नारायण वर्मा एवं अन्य परिक्षेत्र करेली के स्टाफ उपस्थित रहा । मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि ,जी सी सी आई प्रदेश प्रेस संयोजक मीडिया प्रभारी भागीरथ तिवारी ने सुरक्षित तेंदुए का रेस्क्यू करने पर बन विभाग को धन्यवाद दिया ।

गेहूं उपार्जन 2026–27 : मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी की तिथियां घोषित

जनसंपर्क नर्मदापुरम । रबी विपणन वर्ष 2026–27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए निर्धारित SOP जारी की गई है। उप सचिव म.प्र. शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग श्री बी.के. चंदेल ने बताया कि राज्य शासन द्वारा उपार्जन तिथि को संशोधित करते हुए इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में गेहूं खरीदी 10 अप्रैल, 2026 से और शेष संभागों में 15 अप्रैल, 2026 से की जाएगी।

बनखेड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ

जनसंपर्क नर्मदापुरम । बनखेड़ी में जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण और लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था बनखेड़ी मां नर्मदा ग्राम विकास समिति और नगर विकास प्रस्फुटन समिति बनखेड़ी ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। रेलवे स्टेशन प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में श्रीमती सुखवती वर्मा, ब्लॉक समन्वयक, जन अभियान परिषद के नेतृत्व में जल पत्रों की पूजा अर्चन कर रिबन काटकर जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर बनखेड़ी मां नर्मदा ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद मेहर ने कहा, ष्जल ही जीवन है, इसे व्यर्थ न गवाएं, जल का संचयन करें, बूंद–बूंद पानी को सहेजें, जल है तो कल हैष्। कार्यक्रम में नगर विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष कमलेश नामदेव, सदस्य अखिलेश राय, तुलसी समाज सेवा के अध्यक्ष तुलसीराम कहार, परामर्शदाता मकरन सिंह कुशवाहा और अन्य गणमान्य व्यक्ति सहित एमएसडब्ल्यू एब बीएसडब्ल्यू के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कालूराम मूलचंद गट्टानी शोभापुर

के सोने व चांदी की शुद्धता के विश्वास के साथ अब निर्माण की दुनिया में हमारी नई पहचान

AAC BLOCk
Autoclaved,
Aerated,
Concrete

मकान, गोदाम, मॉल, होटल, बिल्डिंग्स, बाउंड्री वाल्स आदि निर्माण हेतु उपलब्ध

ब्लॉक साइज –
लम्बाई 24'' ऊंचाई 8'' 3'', 4''6'', 8''

लगाने में आसान, तराई की आवश्यकता नहीं, साधारण ईंट की तरह टूट-फूट नहीं, वजन में हल्का, मकान में सीलन से मुक्ति, प्लास्टर का खर्च कम, सीमेंट एवं रेत की आवश्यकता नहीं, दीवार पर आने वाले खार से मुक्ति, गर्मी में 4 से 5 डिग्री ठंडा, दीमक से मुक्ति

☞ISI Mark Grade 1 AAC ब्लॉक्स
☞समृद्धि प्लास्टिक्स
☞पॉवर टूल्स एवं स्पेयर पार्टस
☞LED लाईट्स
☞कंस्ट्रक्शन केमिकल
☞सुप्रीमो पानी की टंकिया
☞RCC चौखट, जंगले, खिड़की एवं दरवाजे
☞LED लाईट्स
☞समस्त हार्डवेयर
☞CPVC, UPVC, SWR, Pressure, VGD, Coloumn Pipe एंड फिटिंग्स

ब्लॉक्स हेतु जानकारी व आर्डर हेतु सम्पर्क करें

गट्टानी ट्रेडिंग कम्पनी मंडी रोड, गणेश मंदिर के पास, हथवांस, पिपरिया
मो. 8085256256, 9479914256 प्रोप्राईटर– आनंदा गट्टानी

पिपरिया शहर का प्राचीन औषधालय

श्री कृष्ण सेवा संघ धमार्थ औषधालय धर्मशाला रोड पिपरिया
✲पिपरिया एवं क्षेत्र के नागरिकों की स्वास्थ्य सेवा में हमेशा प्रयत्नशील
✲ अनुभवी वैद्यजी द्वारा परामर्श
✲ आयुर्वेदिक दवाओं का निशुल्क वितरण
✲ पंजीयन शुल्क मात्र दो रुपए

औषधालय का समय : सुबह 9 से 12 बजे तक

यदि हो गये हो बीमार -आयुर्वेद ही सही उपचार।

ऋषि मुनियों ने आयुर्वेद को अपनाने के आशीर्वाचन दिए हैं उन्हें अपनाइए ।आयुर्वेदिक उपचार अपनाऐ ।स्वस्थ जीवन पायें ।।

मे. शुभम् ट्रेडर्स

क्या बिजली पानी समस्या से परेशान है , समस्या आपकी, समाधान हमारा

कुशल इंजीनियरों से निर्मित उत्तम गुणवत्ता व विश्वनीयता का बेजोड़ संगम

अधिकृत विक्रय–(1) सागा सिंगल थ्रीफेस मोनो एवं सम्मरशिबल पम्पस् अहमदाबाद गुजरात (2) िरगामे ेन सम्मरशिबल राजकोट V-3-V-4-V-6-V-7, (3) स्वयं P.V.C. केसिंग पाइप 3'' से 12'' साइजों में उपलब्ध ✲ विशाल एवं स्प्रिंकलर्स पाइप (4) जनरेटर, सेट, डीजल ऐंजिन उत्तम, बीज (5) प्रीमियर फाउन्टेन कोलकता (6) अन्य स्टारटर एल एंड टी, एच.पी.एल, आटो स्विच केवल व अन्य कृषि सामग्री के विक्रेता एवं गवर्मेन्ट सप्लायर

दिमाग पर ज्यादा जोर न लगायें । अपने पैसों से सही सुविधा पायें ।।

निवास–गली नं. 3 सरदार वार्ड पिपरिया Mob. 9630556704,9993283326

युद्धों में भुलाया जाता पर्यावरण–डॉ. ओ. पी. जोशी

जीते–जागते इंसानों, सभ्यताओं, प्राणियों और स्व–निर्मित संसाधनों को नेस्तनाबूद करने के अलावा युद्ध पर्यावरण का भी विनाश करते हैं। विडंबना यह है कि पर्यावरण की यह बरबादी सदियों वापस पटरी पर नहीं आ पाती। क्या होता है, यह नुकसान? इसकी अहमियत क्या होती है? बता रहे हैं, डॉ. ओ. पी. जोशी। संपादक

आधुनिक समय में लड़े जा रहे युद्ध उच्च–तकनीकी के उपयोग से बहुत विनाशकारी साबित हो रहे हैं। इनमें बड़े पैमाने पर बम, टैंक, मिसाइल, ड्रोन, मोर्टार्स, विमान, राकेट्स एवं कई सैन्य उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। पर्यावरणविदों ने तकनीक की मदद से लड़े जा रहे इन युद्धों को पर्यावरण के लिए उद्योगों से भी ज्यादा खतरनाक बताया है। दुनिया आज युद्धों से घिरती जा रही है। रूस–युक्रेन युद्ध तो पिछले 4–5 वर्षों से जारी था, परंतु अभी मार्च के प्रारंभ में ही अमेरिका–इजरायल द्वारा ईरान पर हमले ने एक और भयानक युद्ध शुरु कर दिया है। गाज़ा में ढाई–तीन साल से एक युद्ध इज़राइल व हमास के बीच चल ही रहा है।

युद्ध की रणनीति में पर्यावरण की चिंता कहीं नहीं की जाती, इसीलिए युद्धों में पर्यावरण की बलि चढ़ती ही रहती है। अभी भी युद्ध एवं संघर्ष से पर्यावरण को हो रही हानि या विनाश को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। युद्ध के कारण वायु, जल एवं भूमि के प्रदूषण के साथ–साथ वन, चारागाह एवं फसलों का विनाश होता है और जैव–विविधता घटती है, परन्तु सबसे खतरनाक है उन 'ग्रीन हाउस गैसों' का उत्सर्जन (कार्बन उत्सर्जन) जो तापमान बढ़ाने और 'ग्लोबल–वार्मिंग' में सहायक होती हैं।

पिछले 3 – 4 वर्षों के युद्ध उस दौर में लड़े जा रहे हैं जब वायु–मण्डल में 'ग्रीन–हाउस गैसों' (जीएचजी) का उत्सर्जन खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो बहुत ही चिंताजनक है। 'ग्रीन–हाउस गैसें' उन्हें कहा जाता है, जो वायुमण्डल में एक निश्चित ऊँचाई पर पहुँचकर कांच की तरह कार्य करती हैं। इससे पृथ्वी से पैदा होने वाली गर्मी रुक जाती है एवं धीरे–धीरे तापमान बढ़ने लगता है। यही 'ग्लोबल वार्मिंग' कहलाता है। इन गैसों में 'कार्बन डाय–ऑक्साइड,' 'मीथेन' एवं 'क्लोरो–फ्लोरो कार्बन' प्रमुख हैं, परन्तु सबसे खतरनाक 'कार्बन डाय–ऑक्साइड' है, जो कम क्रियाशील होने से लगभग 300 वर्षों तक वायुमंडल में बनी रहती है।

'नेशनल ओशनिक एण्ड एटमॉस्फीरिक एडमिनिस्ट्रेशन, अमेरिका' (एनओएए) के अनुसार वर्ष 2021 में 36.3 अरब टन 'ग्रीन–हाउस गैसों' का उत्सर्जन हुआ जिसे अब तक का सर्वाधिक बताया गया है। वर्ष 2023 में 2022 की तुलना में उत्सर्जन बढ़ा एवं 'कार्बन डाय–ऑक्साइड' की वैश्विक मात्रा/सांद्रता 420 'पी.पी.एम.' (पार्ट्स पर–मिलियन) तक पहुंच गयी। इस गैस का उत्सर्जन वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 38.1 अरब टन तक पहुंचा था। 'क्रिश्चियन एड, ब्रिटेन' की रिपोर्ट के मुताबिक 'ग्रीन–हाउस गैसों' की बढ़ती मात्रा के कारण बढ़ते 'ग्लोबल वार्मिंग' एवं जलवायु बदलाव से संभवतः वर्ष 2025 में ही इतनी आपदाऐं (बाढ़, सूखा, लू, जंगल की आग व तूफान आदि) आयीं कि विश्वल को 122 अरब डॉलर की हानि हुई।

वर्ष 2026 के प्रारंभ में पर्यावरणविदों ने यह सम्भावना जतायी थी कि बढ़ती 'ग्रीन–हाउस गैसों' की मात्रा से यह वर्ष पिछले कुछ वर्षों की तुलना में ज्यादा गर्म साबित होगा। वर्तमान में जारी युद्धों एवं संघर्षों से यह सम्भावना हकीकत में बदलती नजर आ रही है। अमरीका तथा ब्रिटेन के कुछ शोधकर्ताओं ने आधुनिक तकनीक से युद्धों में उत्सर्जित प्रमुख 'ग्रीन–हाउस गैस' 'कार्बन डाय–ऑक्साइड' की मात्रा का आंकलन किया है।

इजराइल–गाज़ा संघर्ष में 38. 2 मिलियन टन 'कार्बन डाय–आक्साइड' का उत्सर्जन हुआ एवं रूस–युक्रेन युद्ध में अभी तक 230 मिलियन टन का। रूस–युक्रेन युद्ध में 27,000 से ज्यादा आग लगने की घटनाऐं हुई। तेल ठिकानों (कुओं, डिपो, रिफायनरी, जहाज) पर लगी आग से सर्वाधिक 'ग्रीन–हाउस गैसों' का उत्सर्जन होता है। वर्तमान युद्ध में तेहरान के 30 बड़े ऑइल डिपो तथा बहरीन की तेल कम्पनी पर हमलों से आग लग चुकी है एवं यह आगे भी जारी रहेगी।

पहले से बढ़ी हुई 'ग्रीन–हाउस गैसों' की मात्रा में मौजूदा युद्ध एवं संघर्ष 'घी में आग' का कार्य कर रहे हैं। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि 'कार्बन डाय–ऑक्साइड' को सोखने वाले जंगल घटते जा रहे हैं तथा समुद्री–क्षेत्र भी प्रदूषण से ग्रस्त है। एक अध्ययन के अनुसार इजराइल–गाज़ा संघर्ष में पैदा 38.2 मिलियन टन 'कार्बन डाय–ऑक्साइड' को सोखने के लिए 3.31 करोड़ हेक्टर में फैले सघन जंगल जरूरी बताए गए हैं। ब्राजील के बेलेम में नवम्बर 2025 में आयोजित 'संयुक्त राष्ट्र संघ जलवायु शिखर सम्मेलन' (कॉप–30) में 'कृत्रिम बुद्धि' (एआई) के अध्ययन पर आधारित एक रिपोर्ट में बताया गया था कि वर्ष 2024 में पिछले दशक के औसत की तुलना में धरती की 'कार्बन डाय–ऑक्साइड' सोखने की क्षमता आधी से कम हो गयी है। 'ग्रीन–हाउस गैसों' के बढ़ने से पैदा 'ग्लोबल वार्मिंग' एवं जलवायु बदलाव से पैदा 'चरम मौसम' की घटनाओं का आपदाओं के रूप में बढ़ना तय है।

ये आपदाऐं उन क्षेत्रों में भी आयेंगी जिनका युद्ध एवं संघर्षों से कोई लेना–देना नहीं है। पिछले 'जलवायु शिखर सम्मेलन' में भाग लेने वाले 197 देश भी युद्ध एवं संघर्षों को रोकने के लिए उन देशों पर दबाव नहीं बना रहे हैं, जो इनके लिए जिम्मेदार हैं। याद रखिए, विश्व में शांति बनाए रखना पर्यावरण के लिए भी जरूरी है। (सप्रेस)

– डॉ. ओ.पी.जोशी स्वतंत्र लेखक हैं तथा पर्यावरण के मुद्दों पर लिखते हैं।

नर्मदापुरम में बदलेगी गेहूं खरीदी की तस्वीर, 142 केंद्रों पर मिलेगी बेहतर सुविधा

कलेक्टर सोनिया मीना की तैयारीरू इस बार लाइन कम, व्यवस्था ज्यादा

नर्मदापुरम् पिपरिया (छगन कुशवाहा)नर्मदापुरम। रबी विपणन वर्ष 2026–27 के लिए जिले में गेहूं खरीदी की तैयारी इस बार पहले से ज्यादा व्यवस्थित और किसान–केंद्रित नजर आ रही है। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशन में प्रशासन ने ऐसी व्यवस्था बनाई है, जिससे किसानों को खरीदी केंद्रों पर होने वाली परेशानियों से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

जिले में कुल 142 उपार्जन केंद्र बनाए जा रहे हैं। इन केंद्रों का विस्तार सिवनी मालवा, पिपरिया, बनखेड़ी, इटारसी, माखन नगर, सोहागपुर, नर्मदापुरम और डोलरिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में किया गया है, ताकि किसानों को अपने नजदीक ही सुविधा मिल सके।

हर केंद्र पर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा

प्रशासन का कहना है कि इस बार सिर्फ केंद्रों की संख्या नहीं बढ़ाई गई, बल्कि वहां व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। सभी केंद्रों पर तुलाई मशीन, बायोमेट्रिक सिस्टम, गुणवत्ता जांच की व्यवस्था, बैठने की सुविधा, पेयजल और इंटरनेट जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सख्ती के साथ निगरानी के निर्देश

कलेक्टर सोनिया मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुणवत्ता से समझौता न हो, इसके लिए अधिकारियों को सख्त निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। जिला और खंड स्तर की समितियां लगातार निरीक्षण करेंगी।

किसानों को राहत देने की कोशिश

हर साल खरीदी केंद्रों पर लगने वाली लंबी कतारें, तुलाई में देरी और अव्यवस्थाएं किसानों के लिए परेशानी का कारण बनती रही हैं। इस बार प्रशासन का फोकस इन समस्याओं को कम करने पर है, ताकि किसानों को समय पर और सुगमता से अपनी उपज बेचने का अवसर मिल सके।

प्रशासन की इस पहल से साफ है कि इस बार गेहूं खरीदी को केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित अभियान के रूप में लागू करने की कोशिश की जा रही है।

भारत स्टेशनरी
जयप्रकाश शाला के पास पिपरिया मोबाईल –9406561805
कापीयां, पुस्तक, पेन पेन्सिल, गाईड, स्कूल बैग स्टेशनरी के विक्रेता
कम्प्यूईराइजड रबर स्टेम्प बनाई जाती है ।
फोटोकापी की सुविधा उपलब्ध है ।

गोपी गहना
चांदी, सोना आभूषण एवं गिफ्ट आईटम के विक्रेता
अब आनन्द बाग मार्ग चिन्ताहरण मंदिर के पास
पुलिया के सामने दूसरी दुकान राजेन्द्र वार्ड पिपरिया
मो. 9425475981, 7693075981

प्रकाश डिजिटल फोटो स्टूडियो
पाठक जी की चाल सांडिया रोड, पिपरिया

शादी, जन्मदिन, अन्य पार्टियों एवं कार्न्फेंस के लिए पिपरिया शहर में पहली बार प्रोजेक्टर की सुविधा उपलब्ध है

मो. 9893331604
माहेश्वरी फर्नीचर स्टोर्स

सीमेंट रोड, पिपरिया

अधिकृत विक्रेता
नीलकमल फर्नीचर एवं कोरफोम गददे, अलमारी, कूलर, टी.वी, पंखे, गद्दे, सोफा, कार्पेट एवं फोम मटेरियल

विवेक सेनेटरी एण्ड हार्डवेयर
हिन्दुस्तान पेट्रोल पम्प के बाजू में पचमढ़ी रोड, पिपरिया
9479381880, 9131649108
मिलने का स्थान –
यू.पी. व्ही.सी., सी.पी. व्ही.सी., एस. डब्लू. आर, आई.डोल, प्लास्टो पाइप एंड फिटिंग उचित मूल्य पर प्राप्त करें ।

दिल को छू लेनी वाली बात !

आम आदमी पार्टी के युवा सांसद **Raghav Chadha** जी ने हाल ही में एक ऐसा सवाल उठाया है, जो हर आम नागरिक के दिल को छूता है।

आखिर भारत में नियम सबके लिए बराबर क्यों नहीं हैं? अगर किसी गरीब या मध्यमवर्गीय परिवार ने मेहनत करके एक चार पहिया गाड़ी खरीद ली, तो उसके राशन कार्ड पर सवाल उठ जाते हैं। सरकार कहती है आपके पास कार है, मतलब आप सक्षम हैं।

लेकिन जरा सोचिए

जो नेता सिर्फ 5 साल के लिए विधायक या सांसद बनता है, उसे पूरी जिंदगी पेंशन मिलती है।

क्या ये न्याय है?

एक आम आदमी सालों तक नौकरी करता है 30–35 साल तक पसीना बहाता है फिर भी उसे पक्की पेंशन की गारंटी नहीं मिलती।

एक किसान पूरी जिंदगी खेत में मेहनत करता है, मौसम से लड़ता है, लेकिन बुढ़ापे में उसके पास कोई सुरक्षा नहीं होती। एक मजदूर अपनी पूरी जवानी दूसरों के घर बनाने में लगा देता है, पर खुद के बुढ़ापे के लिए कोई सहारा नहीं होता। फिर सवाल उठता है३

क्या हमारे देश में नियम सिर्फ आम लोगों के लिए ही सख्त हैं?

क्या सत्ता में बैठे लोगों के लिए अलग ही व्यवस्था है?

ये सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है, ये उस आम इंसान की आवाज है, जो हर दिन मेहनत करता है, उम्मीद करता है कि उसे भी कभी न्याय मिलेगा।

सरकार से राघव चड्ढा के सवाल जो अभी तक अनुत्तरित हैं !!!

जब सड़कें जनता के टैक्स से बनती हैं, तो हर नागरिक से टोल वसूलना समझ आता है, लेकिन सवाल तब उठता है जब कुछ खास लोगों को पूरी तरह छूट मिल जाती है। नेता, मंत्री, जज और कई अधिकारी बिना टोल दिए निकल जाते हैं, जबकि आम आदमी अपनी मेहनत की कमाई से हर बार भुगतान करता है। क्या कानून सबके लिए बराबर नहीं होना चाहिए? क्या सुविधा और छूट सिर्फ पद के आधार पर तय होगी? अगर देश चलाने की जिम्मेदारी सबकी है, तो योगदान भी बराबरी से होना चाहिए। आम आदमी पहले ही टैक्स देता है, फिर हर सफर पर अलग से टोल क्यों? अब वक्त है सवाल पूछने का और सिस्टम में पारदर्शिता लाने का।

कमिश्नर कार्यालय में हुआ वंदे मातरम का गायन

जनसंपर्क नर्मदापुरम । शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह की पहली तारीख को शासकीय कार्यालयों में वंदे मातरम का गायन किया जाता है। इसी कड़ी में 1 अप्रैल को आयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष में वंदे मातरम का गायन किया गया। इस अवसर पर नर्मदापुरम संभाग कमिश्घ्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी, संयुक्त आयुक्त विकास श्री नवल मीणा, उपायुक्त विकास श्री डी एन पटेल सहित कमिश्घ्नर परिसर स्थित सभी कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारीयों ने उपस्थित रहकर सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया।

मकान शीघ्र बेचना है

पचमढ़ी रोड शुभम ढावा के पीछे 7 ½X50 में बना हुआ पक्का मकान सर्वसुविधायुक्त है इसे यथा शीघ्र बेचना है। इच्छुक व्यक्ति शीघ्र सम्पर्क करें।

सम्पर्क करें -9131123486

1 अप्रैल से बढ़ा महंगाई का बोझ, प्रॉपर्टी, बिजली, टोल, गैस और बैंकिंग सेवाएं हुई महंगी

1 अप्रैल से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ आम लोगों पर महंगाई का बड़ा असर पड़ा है। गैस सिलेंडर, बिजली, टोल टैक्स, प्रॉपर्टी, गाड़ियां और बैंकिंग सेवाएं महंगी हो गई हैं।

नए वित्तीय वर्ष 2026–27 की शुरुआत 1 अप्रैल से आम लोगों के लिए महंगाई का झटका लेकर आई है। मध्य प्रदेश समेत देशभर में कई ऐसे बदलाव लागू हुए हैं जिनसे घर खरीदने से लेकर सफर, बिजली, बैंकिंग और रोजमर्रा के खर्च तक महंगे हो गए हैं। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 218 तक की बढ़ोतरी, प्रॉपर्टी दरों में इजाफा, बिजली टैरिफ वृद्धि, टोल टैक्स में बढ़ोतरी और एटीएम ट्रांजैक्शन चार्ज बढ़ने जैसे फैसलों का सीधा असर लोगों की जेब पर पड़ने वाला है।

मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा असर रियल एस्टेट सेक्टर पर दिख रहा है। सरकार ने कलेक्टर गाइडलाइन दरों में औसतन 16 प्रतिशत तक बढ़ोतरी लागू कर दी है। जिससे जमीन और मकान खरीदना महंगा हो गया है। रजिस्ट्री की लागत बढ़ने के साथ ही पक्के मकानों के निर्माण पर भी करीब 1000 रुपए प्रति वर्गमीटर का अतिरिक्त बोझ आएगा। प्रदेशभर के करीब 65 हजार लोकेशनों पर नई दरें लागू की गई हैं।

बिजली उपभोक्ताओं को भी राहत नहीं मिली है। नए टैरिफ के अनुसार, बिजली दरों में करीब 4.80 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। हालांकि, 100 यूनिट तक खपत करने वाले उपभोक्ताओं को आंशिक राहत दी गई है लेकिन अधिक खपत पर बिल में साफ बढ़ोतरी दिखेगी। उदाहरण के तौर पर 200 यूनिट खपत पर करीब 80 रुपए और 400 यूनिट पर 150 रुपए से ज्यादा का अतिरिक्त भार आएगा।

सफर भी अब पहले से ज्यादा महंगा हो गया है। नेशनल हाईवे पर टोल टैक्स में 5 से 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी लागू कर दी गई है। इसके साथ ही टोल प्लाजा पर कैश भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया गया है। अब केवल फास्टैग या डिजिटल माध्यम से ही भुगतान संभव होगा। फास्टैग के एनुअल पास की कीमत में भी 2.5 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई है। जिससे सालाना पास अब 3075 रुपए का हो गया है।

रसोई और छोटे कारोबार पर भी असर पड़ा है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 218 रुपए तक बढ़ने से होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग सेवाओं की लागत बढ़ेगी। इसका असर आने वाले दिनों में खाने–पीने की चीजों की कीमतों पर भी देखने को मिल सकता है।

बैंकिंग सेवाएं भी महंगी हो गई हैं। एटीएम से मुफ्त ट्रांजैक्शन की सीमा पार करने के बाद अब हर अतिरिक्त निकासी पर करीब 23 रुपए तक शुल्क देना होगा। इससे बार–बार नकदी निकालने वाले ग्राहकों का खर्च बढ़ेगा। रेलवे यात्रियों के लिए भी नियम सख्त हुए हैं। अब ट्रेन के निर्धारित समय से 8 घंटे के भीतर टिकट रद्द करने पर कोई रिफंड नहीं मिलेगा। वहीं, 8 से 24 घंटे के बीच कैंसिलेशन पर 50 प्रतिशत और 24 से 72 घंटे पहले रद्द करने पर 25 प्रतिशत कटौती लागू होगी। हालांकि, यात्रियों को प्रस्थान से आधा घंटा पहले तक क्लास अपग्रेड कराने की सुविधा दी गई है। शहरी क्षेत्रों में साफ–सफाई को लेकर भी सख्ती बढ़ाई गई है। नए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के तहत घरों और संस्थानों को कचरे को चार श्रेणियों गीला, सूखा, सैनिटरी और खतरनाक में अलग करना अनिवार्य होगा। नियमों का पालन न करने पर नगर निगम सीधे जुर्माना लगा सकेगा। जबकि, बड़े संस्थानों को अपने स्तर पर कचरा निपटान करना होगा।

इसके अलावा ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी कीमतों में 2 से 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी लागू हो गई है। जिन लोगों ने 31 मार्च तक बिलिंग नहीं करवाई उन्हें अब बढ़ी हुई कीमत चुकानी होगी। इसमें रजिस्ट्रेशन चार्ज भी शामिल हैं।

आयकर प्रणाली में भी बदलाव किए गए हैं। अब फाइनेंशियल ईयर और असेसमेंट ईयर की जगह टैक्स ईयर शब्द का उपयोग किया जाएगा। साथ ही डिजिटल माध्यम से टैक्स भुगतान और रिटर्न फाइलिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

-हम समवेत

रजिस्ट्रेशन नं. 9546171019

किरण फ्रेक्चर एंड पेन क्लीनिक

डॉ. सुयश शर्मा
(हड्डी रोड विशेषज्ञ)
एम.बी.बी.एस.डीएनबी आर्थो
मिलने का समय–
प्रातः 11 से दोप. 2.00 बजे तक शाम 5 से 7.30 बजे तक

डॉ.विभा शर्मा
MBBS,MD,FIPM
मिलने का समय–
शाम 6.00 से 7.30 बजे तक

नोट – आधुनिक तकनीक से सभी प्रकार के दर्द का इलाज किया जाता है।
आपरेशन की सुविधा समर्थ अस्पताल में उपलब्ध है। (इमरजेंसी में समर्थ अस्पताल में संपर्क करें)
फ्रेक्चर, स्पोर्ट इंजुरी, सायटिका, गठिया, कमर, ऐड़ी, कोहनी, घुटने के दर्द अथवा चोट का इलाज किया जाता है।

उपलब्ध सुविधाएँ–डिजिटल X-ray, वॉटर प्रूफ प्लास्टर

स्थान–अशोक वार्ड, पी.पी. एस स्कूल के पास, सांडिया रोड पिपरिया

स्वत्वाधिकारी संपादक मुद्रक प्रकाशक–प्रकाशचन्द्र मंडलोई कैलाश पेपर इंडस्ट्रीज, सांडिया रोड, पिपरिया जिला– नर्मदापुरम (म.प्र) से मुद्रित प्रकाशित मो. 09425708959 संपादक –प्रकाशचन्द्र मंडलोई
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र पिपरिया न्यायालय रहेगा। E-mail-pipariyaprakash@gmail.com